दुर्लभ कैराकल शावक

चर्चा में क्यों?

विशेषज्ञों ने **जैसलमेर के मरुस्थल** में दुर्लभ कैराकल (Caracal) शावक की उपस्थिति की पुष्टि की है, जो राजस्थान के लिये एक महत्त्वपूर्ण वन्यजीव खोज है।

- इस खोज के बाद प्रशासन ने जैसलमेर के सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसंख्या सर्वेक्षण प्रारंभ कर दिया है तथा गश्त को और तेज़ कर दिया गया है।

मुख्य बिंदु

- **कैराकल के बारे में:**

  - **कैराकल** एक मध्यम आकार की जंगली बिल्ली है, जो भारत सहित अफ्रीका, मध्य-पूर्व और दक्षिण एशिया के कुछ हिस्सों में पाई जाती है।
  - भारत में इसकी अनुमानित जनसंख्या लगभग **50** है, जो मुख्यतः राजस्थान और गुजरात में पाई जाती है।
  - यह स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र में एक शिकारी के रूप में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है और अपनी **विशिष्ट शारीरिक विशेषताओं** तथा उल्लेखनीय **शिकार क्षमताओं** के लिये जानी जाती है।
- **आवास:**
  - कैराकल **सवाना, अर्द्ध-मरुस्थल, शुष्क वन क्षेत्र, चट्टानी पहाड़ियाँ, शुष्क पर्वतीय मैदानों तथा शुष्क पर्वतीय क्षेत्रों** के लिये अनुकूल है।
- **वर्गीकरण और संबंध:**
  - कैराकल वास्तविक लिंक्स की तुलना में अफ्रीकी गोल्डन बिल्ली **और सर्वल से** अधिक निकटता से संबंधित है, हालांकि इसे

प्रायः **"रेगिस्तानी लिंक्स"** कहा जाता है।
    - भारत में इसे '**स्याहगोश**' कहा जाता है, जो फारसी शब्द से व्युत्पन्न है, जिसका अर्थ है '**काले कान**'।
    - इसका वैज्ञानिक नाम **कैराकल कैराकल श्मिट्ज़ी** है।
- **शारीरिक विशेषताएँ:**
    - कैराकल का शरीर पतला और पैर लंबे होते हैं तथा यह अफ्रीका की छोटी बिल्लियों में सबसे बड़ी होती है।
    - वयस्कों का **वज़न 8-18 किलोग्राम** तक होता है और इनकी लंबाई लगभग एक मीटर तक पहुँच सकती है। नर सामान्यतः मादाओं से बड़े होते हैं।
    - इसका फर छोटा और घना होता है, जिसका **रंग हल्के भूरे से लाल-भूरे** तक होता है, जबकि नीचे का भाग हल्का रहता है।
    - चेहरे पर **विशिष्ट रेखाएँ** और आँखों के चारों ओर **सफेद निशान** इसकी पहचान हैं।
- **संरक्षण की स्थिति:**
    - **IUCN रेड लिस्ट: कम चिंताजनक**
    - **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972: अनुसूची 1**

- **खतरे:**
    - आवास का क्षरण, शिकार-आधार में कमी तथा **मानव-वन्यजीव संघर्ष**।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rare-caracal-cub